भजन

मेरे पिया जी का नूरी सिनगार, नैनों में रहे सदा ।

सुन्दरता अपरम्पार, नैनों में रहे सदा।

1 पाग सेन्दुरिया शीश पे सोहे, कलंगी दुगदुगी मन को मोहे

झलके हीरा पाच नीलवी, माणिक और पुखराज – नैनों में रहे

2 गोरे गालों पे लालक गहरी, लाल अधुर और हरवटी प्यारी

नैनों की चंचलता न्यारी, आशिक हो कुर्बान... नैनों में रहे

3. श्वेत जामा इजार केसरी, आसमानी रंग पिछोरी

नीलो पीलो पटुका कमर पर देखो, पहने नूर जमाल...... नैनों

4 चरण कमल मेरे जीव के जीवन, हैयड़े राखूं नूरी चरनन।

चरणों बांधी रुह की चितवन, मेरी आत्म के आधार।

नैनों ....